गरीबी उन्मूलन में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की भूमिका

वीर कुमार राय

स्वस्थ समाज एवं समृद्ध समाज के निर्माण के हेतु समावेशी विकास की अवधारणा महत्वपूर्ण है। समावेशी विकास के अन्तर्गत रोजगारी, गरीबी उन्मूलन प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि एवं कृषि उद्योग में विकास आदि को शामिल किया जाता है। इसके सन्दर्भ में गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम में स्वस्थ्य जीवन शैली की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विश्व बैंक के अनुसार कुपोषण से भारत वार्षिक रूप से अपने सकल घरेलू उत्पाद का 2–3ः का लगातार नुकसान झेल रहा है। गरीबो में कुपोषण की समस्या व्याप्त है। गरीबो के कुपोषित होने के कारण शरीर कमजोर होता है जिससे वे अपने श्रम क्षमता का उपयोग कर उत्पादकता के रूप में करते है। कम उत्पादकता की वजह से कमजोर अर्थव्यवस्था का निर्माण होता है। इसकी वजह से ही भारत का विनिर्माण और अन्य उद्योगों में वैश्विक खिलाड़ी बनने का सपना अधूरा रह जाता है। अतः कुपोषण की समस्या को समाप्त करने हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत संचालित समेकित बाल विकास योजना जैसी योजनाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।